प्रतिदर्श प्रश्न पत्र 4

कक्षा–10 परीक्षा 2022–23

हिन्दी–अ (कोड–002)

निर्धारित समय– 3 घंटे **पूर्णांक – 80**

सामान्य निर्देश–

1. इस प्रश्नपत्र में दो खंड हैं– खंड 'क' और 'ख'। खंड–क में वस्तुपरक/बहुविकल्पी और खंड–ख में वर्णनात्मक प्रश्न दिए गए हैं।
2. प्रश्नपत्र के दोनों खंडों में प्रश्नों की संख्या 17 है और सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
3. यथासंभव सभी प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखिए।
4. खंड 'क' में कुल 10 प्रश्न हैं। जिनमें उपप्रश्नों की संख्या 49 है। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए 40 उपप्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
5. खंड 'ख' में कुल 7 प्रश्न हैं, सभी प्रश्नों के साथ उनके विकल्प भी दिए गए हैं। निर्देशानुसार विकल्प का ध्यान रखते हुए सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खंड – क (बहुविकल्पी प्रश्न/वस्तुपरक प्रश्न)

1. **निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए–** $(1 \times 5 = 5)$

समाज को यदि एक वृक्ष मान लिया जाए तो अर्थनीति उसकी जड़ है, राजनीति आधार है, विज्ञान आदि उसके तने हैं और संस्कृति उसके फूल। इसलिए नए समाज की अर्थनीति या राजनीति आदि पर ही हमें ध्यान नहीं देना चाहिए बल्कि उसकी संस्कृति की ओर सबसे अधिक ध्यान देना चाहिए क्योंकि मूल और तने की सार्थकता तो उसके फूल में ही है। दूसरे इन तीनों का संबंध इतना गहरा है कि आन इन्हें अलग–अलग कर भी नहीं सकते। नई अर्थनीति और राजनीति के साथ एक नई संस्कृति का विकास हमारी आँखों के सामने हो रहा है भले ही हम उसे देख न पाएँ या उसकी ओर से आँखें मूँद लें। अन्य क्षेत्रों में हमारी पंचवर्षीय योजनाएँ आ रही है किंतु क्या यह आश्चर्य की बात नहीं है कि संस्कृति के विकास में प्रगति देने के लिए एक भी व्यापक योजना हमारे सामने नहीं आ रही। जब राजनीति और अर्थशास्त्र दूसरी बड़ी–बड़ी योजनाओं में लगे हैं ओ कलाकारो! चलो हम अपनी परिमित शक्ति से इस क्षेत्र में कुछ काम कर दिखाएँ। आखिर यह क्षेत्र भी तो हमारा ही है। गुलाब की खेती के माली तो हम ही हैं। फूलों के संसार के भौंरे तो हम ही हैं। हम नहीं करेंगे, तो करेगा कौन?

(1) समाज, राजनीति, अर्थनीति, विज्ञान और संस्कृति क्रमशः किसके प्रतीक हैं?
(क) वृक्ष मूल, आधार, फूल और तने के
(ख) वृक्ष, आधार, जड़, तने और फूल के
(ग) फूल, वृक्ष, मूल, आधार और तने के
(घ) जड़, आधार, फूल, वृक्ष और तने के

(2) हमारा विकास अधूरा क्यों है?
(क) सांस्कृतिक उत्थान नहीं होने के कारण
(ख) राजनैतिक उन्नति नहीं होने के कारण
(ग) भौतिक विकास न होने के कारण
(घ) आध्यात्मिक विकास न होने के कारण

(3) 'गुलाब की खेती' से लेखक का क्या आशय है?
(क) सांस्कृतिक अभ्युत्थान
(ख) औद्योगिक विकास
(ग) सौंदर्य का विकास
(घ) सुंदर उद्यानों का विनिर्माण

(4) उपर्युक्त गद्यांश का सर्वाधिक उपयुक्त शीर्षक होगा?
  (क) समाजः एक वृक्ष
  (ख) पंचवर्षीय योजनाएँ और सांस्कृतिक विकास
  (ग) राजनीति और सांस्कृतिक विकास
  (घ) कलाकार और सांस्कृतिक विकास

(5) अर्थनीति और राजनीति के अतिरिक्त सांस्कृतिक उत्थान की ओर ध्यान देना भी आवश्यक है क्योंकि–
  (क) संस्कृति ही देश को महान बनाती है
  (ख) संस्कृति के विकास में ही देश का विकास है
  (ग) ये तीनों परस्पर संबंधित हैं
  (घ) सभी उत्तर सही हैं

2. **निम्नलिखित दो पद्यांशों में से किसी <u>एक</u> पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए–** $(1 \times 5 = 5)$

कैसे बेमौके पर तुमने ये
मज़हब के शोले सुलगाए।
मानव–मंगल–अभियानों में
जब नया कल्प आरम्भ हुआ
जब चंद्रलोक की यात्रा के
सपने सच होने को आए।
तुम राग अलापो मज़हब का
पैगम्बर को बदनाम करो,
नापाक हरकतों में अपनी
रूहों को कत्लेआम करो!
हम प्रजातंत्र में मनुष्यता के
मंगल–कलश संवार रहे
हर जाति–धर्म के लिए
खुला आकाश–प्रकाश पसार रहे।
उत्सर्ग हमारा आज
हिमालय की चोटी छू आया है।
सदियों की कालिख को
हमने बलिदानों से धोना है
मानवता की खुशहाली की
हरियाली फसलें बोना है।
बढ़–बढ़कर बातें करने की
बलिदानी रटते बान नहीं
इतना तो तुम भी समझ गए
यह कल का हिन्दुस्तान नहीं।

(1) 'मजहब के शोले' का तात्पर्य है–
  (क) विभिन्न धर्मों से संबंधित बातें
  (ख) धर्म पर आधारित नफ़रत की बातें
  (ग) धर्म का उपदेश देने वाली बातें
  (घ) धार्मिक विषयों पर विवादास्पद बातें

(2) मजहब के शोले सुलगाने का यह मौका नहीं है क्योंकि–
   (क) आधुनिक युग में ये बातें शोभाकर नहीं हैं।
   (ख) चन्द्रलोक की यात्रा की तुलना में ये बातें हीन लगती हैं।
   (ग) प्रगतिशील दृष्टिकोण ऐसी बातों को बेतुकी मानता है।
   (घ) आज का इन्सान ऐसी बातों में आस्था नहीं रखता।

(3) 'मजहब का राग' अप्रासंगिक है क्योंकि प्रजातंत्र–
   (क) मजहबी राग में विश्वास नहीं रखता।
   (ख) जाति और धर्म को मानवता का हितकारी समझता है।
   (ग) समाज को संकुचित दृष्टिकोण से नहीं देखता।
   (घ) खुले आकाश के सामने देखता है।

(4) 'हरियाली फसलें बोना है' कथन का आशय है–
   (क) मानवता को बढ़ावा देना।
   (ख) देश को फलता–फूलता देखना।
   (ग) सामाजिक भेद–भाव मिटाना।
   (घ) सांप्रदायिकता का विरोध करना।

(5) अपने स्वार्थपूर्ण कार्यों से कौन पैगम्बर को बदनाम करते हैं?
   (क) मजहब का राग अलापने वाले
   (ख) लोकतंत्र की पैरवी करने वाले
   (ग) बलिदानी लोग
   (घ) समाज को संकुचित दृष्टि से देखने वाले

अथवा

जब बचपन तुम्हारी गोद में
आने से कतराने लगे,
जब माँ की कोख से झाँकती जिंदगी
बाहर आने से घबराने लगे,
समझो कुछ गलत है।
जब तलवारें फूलों पर,
जोर आज़माने लगें
जब मासूम आँखों में
खौफ़ नज़र आने लगे
समझो कुछ गलत है।
जब किलकारियाँ सहम जाएँ
तब तोतली बोलियाँ, खामोश हो जाएँ, समझो ....
कुछ नहीं, बहुत कुछ गलत है
क्योंकि जोर से बारिश होनी चाहिए थी,
पूरी दुनिया में, हर जगह, टपकने चाहिए थे आँसू
रोना चाहिए था ऊपर वाले को, आसमाँ से फूट–फूट कर
शर्म से झुकनी चाहिए थीं, इंसानी सभ्यता की गर्दनें
शोक का नहीं, सोच का वक्त है

मातम नहीं, सवालों का वक्त है
अगर इसके बाद भी सर उठा कर
खड़ा हो सकता है इंसान
समझो कि बहुत कुछ गलत है।

(1) माँ की कोख से झाँकती जिंदगी को घबराहट क्यों हो सकती है?
- (क) उसे बाहर की असुरक्षा का आभास हो रहा है।
- (ख) उसे प्रदूषण का डर सता रहा है।
- (ग) उसे माँ ने बाहर की वास्तविकता बताई है।
- (घ) बाहर का मौसम अनुकूल नहीं है।

(2) 'जब तलवारें फूलों पर जोर आज़माने लगें, जब मासूम आँखों में खौफ नज़र आने लगे' का तात्पर्य है–
- (क) जब मासूमों पर अत्याचार होने लगे।
- (ख) मानव अपने स्वार्थ के लिए उद्यान उजाड़ने लगे।
- (ग) जब मासूम बच्चों को भय के बिना रहना पड़ें।
- (घ) जब मासूम आपस में लड़ने लगे।

(3) कवि के अनुसार बहुत गलत कब है?
- (क) जब ओस तलवार की नोक पर गिरे।
- (ख) जब मासूम सहम जाएँ।
- (ग) जब बचपन समाप्ति की कगार पर हो।
- (घ) जब किलकारियों की गूँज खामोश हो जाए।

(4) कुछ भी गलत नहीं है, यदि–
- (क) बचपन गोद में आने लगे
- (ख) बाल श्रम बढ़ जाए
- (ग) बच्चों पर अत्याचार होने लगे
- (घ) भ्रूण हत्या होने लगे।

(5) कवि के अनुसार अभी किसका वक्त है?
- (क) सोच विचार का
- (ख) दुख मनाने का
- (ग) उत्सव मनाने का
- (घ) मासूमों का

3. **निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए–** **$(1 \times 4 = 4)$**

(1) अल्पज्ञानी व्यक्ति बुद्धिमान की कद्र करना क्या जाने। रचना के आधार पर वाक्य भेद है–
- (क) सरल वाक्य
- (ख) मिश्र वाक्य
- (ग) संयुक्त वाक्य
- (घ) इनमें से कोई नहीं

(2) बल के अभिमान के कारण वह सबसे झगड़ता फिरता है। इस वाक्य को संयुक्त वाक्य में बदलिए।
(क) उसे बल का अभिमान है इसलिए वह सबसे झगड़ता फिरता है
(ख) क्योंकि उसे बल का अभिमान है इसलिए वह सबसे झगड़ता फिरता है
(ग) उसे बल का अभिमान है अतः वह झगड़ा करता है
(घ) बल अभिमान के कारण वह सबसे झगड़ता फिरता है

(3) <u>ज्योंही मैं स्टेशन पहुँचा</u> ट्रेन निकल गई। इस वाक्य के रेखांकित भाग में आश्रित उपवाक्य है–
(क) क्रिया–विशेषण उपवाक्य
(ख) संज्ञा उपवाक्य
(ग) विशेषण उपवाक्य
(घ) अन्य वाक्य

(4) सोहन ने एक पुस्तक पढ़ी जो अत्यंत पुरानी थी। इस वाक्य को सरल वाक्य में बदलिए।
(क) एक अत्यंत पुरानी पुस्तक थी जो सोहन ने पढ़ी
(ख) सोहन ने एक अत्यंत पुरानी पुस्तक पढ़ी
(ग) एक पुस्तक सोहन ने पढ़ी जो अत्यंत पुरानी थी
(घ) सोहन ने एक पुस्तक पढ़ी और वह अत्यंत पुरानी थी

(5) कॉलम 1 को कॉलम 2 के साथ सुमेलित कीजिए और सही विकल्प चुनकर लिखिए–

कॉलम 1		कॉलम 2	
(1)	मैं भी आपके साथ चलता, किंतु मेरा स्वास्थ्य ठीक नहीं है।	(i)	सरल वाक्य
(2)	सूर्योदय होने पर चारों ओर रोशनी फैल गई।	(ii)	संयुक्त वाक्य
(3)	जिन छात्रों ने परिश्रम किया, वे परीक्षा में उत्तीर्ण हो गए।	(iii)	मिश्र वाक्य

विकल्प
(क) 1-iii, 2-i, 3-ii
(ख) 1-ii, 2-iii, 3-i
(ग) 1-ii, 2-i, 3-iii
(घ) 1-ii, 2-i, 3-iii

4. **निर्देशानुसार 'वाच्य' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं <u>चार</u> प्रश्नों के उत्तर दीजिए–** **$(1 \times 4 = 4)$**

(1) कॉलम 1 को कॉलम 2 के साथ सुमेलित कीजिए और सही विकल्प चुनकर लिखिए–

कॉलम 1		कॉलम 2	
(1)	यह पुस्तक बच्चों द्वारा तैयार की गई।	(i)	कर्तृवाच्य
(2)	बच्चों ने खाना खाया।	(ii)	कर्मवाच्य
(3)	लड़की द्वारा आँगन में सोया जा रहा था।	(iii)	भाववाच्य

विकल्प
(क) 1-iii, 2-i, 3-ii
(ख) 1-ii, 2-iii, 3-i
(ग) 1-ii, 2-i, 3-iii
(घ) 1-ii, 2-i, 3-iii

(2) माँ ने पुत्र को सुला दिया। इस वाक्य को कर्मवाच्य में बदलिए।
(क) पुत्र को सुलाया माँ ने
(ख) माँ द्वारा पुत्र को सुलाया गया
(ग) माँ ने सुलाया पुत्र को
(घ) माँ से पुत्र को सुलाया गया

(3) निम्नलिखित में से कर्मवाच्य वाला वाक्य छाँटिए–
(क) तुम्हें किसने भेजा है यहाँ?
(ख) तुम्हें किसने यहाँ भेजा है?
(ग) भेजा है किसने तुम्हें यहाँ?
(घ) तुम्हें यहाँ किसके द्वारा भेजा गया है?

(4) अध्यापिका ने बच्चों को पाठ पढ़ाया। इस वाक्य में प्रयुक्त वाच्य का नाम चुनिए।
(क) भाववाच्य
(ख) कर्तृवाच्य
(ग) अकर्तृवाच्य
(घ) कर्मवाच्य

(5) बच्चे खीर बहुत चाव से खाते हैं। इस वाक्य को कर्मवाच्य में बदलिए।
(क) बच्चों द्वारा खीर बहुत चाव से खाई जाती है।
(ख) बच्चों के द्वारा खीर खाई गई।
(ग) बच्चों ने खीर बहुत चाव से खाई थी।
(घ) बच्चे खीर खाएँगे।

5. **निर्देशानुसार 'पद परिचय' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए–** $(1 \times 4 = 4)$

(1) चीता **तेज़** दौड़ता है। इस वाक्य में रेखांकित पद का सही पद परिचय होगा–
(क) परिमाणवाचक क्रियाविशेषण
(ख) स्थानवाचक क्रियाविशेषण
(ग) रीतिवाचक क्रियाविशेषण
(घ) कालचक्र क्रियाविशेषण

(2) सैनिक राष्ट्र की **सरहदों की** रक्षा करते हैं। इस वाक्य में रेखांकित पद का सही पद परिचय होगा–
(क) जातिवाचक संज्ञा, बहुवचन, स्त्रीलिंग, सम्बन्ध कारक
(ख) समूहवाचक संज्ञा, बहुवचन, स्त्रीलिंग, सम्बन्ध कारक
(ग) भाववाचक संज्ञा, बहुवचन, स्त्रीलिंग, सम्बन्ध कारक
(घ) व्यक्तिवाचक संज्ञा, बहुवचन, स्त्रीलिंग, सम्बन्ध कारक

(3) **मैं** प्रतिदिन भ्रमण के लिए जाता हूँ। इस वाक्य में रेखांकित पद का सही पद परिचय होगा–
(क) पुरुषवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, बहुवचन, कर्ता कारक
(ख) पुरुषवाचक सर्वनाम (उत्तम पुरुष), पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक, ('जाता हूँ' क्रिया का कर्ता)
(ग) पुरुषवाचक सर्वनाम (अन्य पुरुष), पुल्लिंग, एकवचन, कर्म कारक
(घ) पुरुषवाचक सर्वनाम, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्म कारक

(4) शंकर आज बाजार नहीं गया **<u>क्योंकि</u>** वह बीमार था। इस वाक्य में रेखांकित पद का सही पद परिचय होगा–
(क) सम्बन्धबोधक अव्यय
(ख) विस्मयादिबोधक अव्यय
(ग) समुच्चयबोधक अव्यय
(घ) क्रियाविशेषण अव्यय

(5) इस **<u>बालक</u>** ने गणित में अच्छे अंक प्राप्त किए हैं। इस वाक्य में रेखांकित पद का सही पद परिचय होगा–
(क) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिग, एकवचन, कर्ता कारक।
(ख) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिग, एकवचन, अपादान कारक
(ग) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिग, एकवचन, करण कारक
(घ) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिग, एकवचन, कर्म कारक

6. **निर्देशानुसार 'अलंकार' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं <u>चार</u> प्रश्नों के उत्तर दीजिए–** $(1 \times 4 = 4)$

(1) चाहनहार सुवर्ण के, कविजन और सुनार।
इस पंक्ति में कौन–सा अलंकार प्रयुक्त हुआ है?
(क) श्लेष
(ख) उत्प्रेक्षा
(ग) मानवीकरण
(घ) अतिश्योक्ति

(2) नीको सतु ललाट पर, टीको जरित जराइ।
छबिहिं बढावत रवि मनौ, ससि मंडल में आइ।।
इन पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार है–
(क) श्लेष
(ख) उत्प्रेक्षा
(ग) मानवीकरण
(घ) अतिश्योक्ति

(3) लोने–लोने वे घने चने क्या बने–बने इठलाते हैं, हौले–हौले होली गा–गा घुंघरू पर ताल बजाते हैं।
इस पंक्ति में कौन–सा अलंकार प्रयुक्त हुआ है?
(क) श्लेष
(ख) उत्प्रेक्षा
(ग) मानवीकरण
(घ) अतिश्योक्ति

(4) तुम्हारी यह दंतुरित मुस्कान।
मृतक में भी डाल देगी जान।।
इन पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार है–
(क) श्लेष
(ख) उत्प्रेक्षा
(ग) मानवीकरण
(घ) अतिश्योक्ति

(5) धरती पसीजी है कहीं?

इस पंक्ति में कौन–सा अलंकार प्रयुक्त हुआ है?

(क) श्लेष

(ख) उत्प्रेक्षा

(ग) मानवीकरण

(घ) अतिश्योक्ति

7. **निम्नलिखित पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए–** $(1 \times 5 = 5)$

भादों की वह अँधेरी अधरतिया। अभी थोड़ी ही देर पहले मूसलाधार वर्षा खत्म हुई है। बादलों की गरज, बिजली की तड़प में आपने कुछ नहीं सुना हो, किंतु अब झिल्ली की झंकार या दादुरों की टर्र–टर्र बालगोबिन भगत के संगीत को अपने कोलाहल में डुबो नहीं सकतीं। उनकी खंजड़ी डिमक–डिमक बज रही है और वे गा रहे हैं– गोदी में पियवा चमक उठे सखिया, चिहुँक उठे ना! हाँ, पिया तो गोद में ही है, किंतु वह समझती है, वह अकेली है, चमक उठती है, चिहुँक उठती है। उसी भरे–बादलों वाले भादो की आधी रात में उनका यह गाना अँधेरे में अकस्मात कौंध उठने वाली बिजली की तरह किसे न चौंका देता? अरे, अब सारा संसार निस्तब्धता में सोया है, बालगोबिन भगत का संगीत जाग रहा है, जगा रहा है!

(1) प्रस्तुत गद्यांश में किस माह का वर्णन है–

(क) चैत्र

(ख) माघ

(ग) भादो

(घ) कार्तिक

(2) गाँव के लोग कब चकित हो जाग उठते थे–

(क) भगत का गाना सुनकर

(ख) कबीर की धुन सुनकर

(ग) बिजली कौंधने से

(घ) बादल गरजने की आवाज सुनकर

(3) किसका संगीत सभी को जगा रहा था–

(क) कबीरदास का

(ख) भगत का

(ग) बिजली का

(घ) सखियो का

(4) भगत जी भजन गाते समय क्या बजाया करते थे?

(क) ढोल

(ख) ढपली

(ग) गिटार

(घ) खँजड़ी

(5) बालगोबिन भगत के संगीत को अपने कोलाहल में कौन डुबो सकता था?

(क) झिल्ली की झंकार

(ख) दादुरों की टर्र–टर्र

(ग) क व ख दोनों

(घ) इनमें से कोई नहीं

8. गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए– $(1 \times 2 = 2)$

(1) अनुमान के प्रतिकूल डिब्बा निर्जन नहीं था। यहां निर्जन से आप क्या समझते हैं?
(क) गरीब
(ख) खाली
(ग) भरा
(घ) इनमें से कोई नहीं

(2) किस घटना के बारे में सुनने पर लेखिका को अपनी आँखों पर विश्वास नहीं हुआ?
(क) डॉक्टर साहब द्वारा अपने पिता से कही बातें को
(ख) कॉलेज बंद होने वाली घटना
(ग) प्रिंसिपल द्वारा अनुशासनात्मक कार्यवाही वाली घटना
(घ) इनमें से कोई नहीं

9. निम्नलिखित पठित पद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए– $(1 \times 5 = 5)$

लखन कहा हसि हमरे जाना। सुनहु देव सब धनुष समाना।।
का छति लाभु जून धनु तोरें। देखा राम नयन के भोरें।।
छुअत टूट रघुपतिहु न दोसू। मुनि बिनु काज करिअ कत रोसू।।
बोले चितै परसु की ओरा। रे सठ सुनेहि सुभाउ न मोरा।।
बालकु बोलि बधौं नहि तोही। केवल मुनि जड़ जानहि मोहि।।
बाल ब्रह्मचारी अति कोही। बिस्वबिदित क्षत्रियकुल द्रोही।।
भुजबल भूमि भूप बिनु कीन्ही। बिपुल बार महिदेवन्ह दीन्ही।।
सहसबाहुभुज छेदनिहारा। परसु बिलोकु महीपकुमारा।।
मातु पितहि जनि सोचबस करसि महीसकिसोर।
गर्भन्ह के अर्भक दलन परसु मोर अति घोर।।

(1) प्रस्तुत पद्यांश में संवाद किनके बीच है–
(क) राम और परशुराम के बीच
(ख) लक्ष्मण और परशुराम के बीच
(ग) राम और लक्ष्मण के बीच
(घ) तीनों के बीच

(2) परशुराम के स्वभाव में क्या विशेषता नहीं थी–
(क) दुर्बल योद्धा
(ख) क्रोधी
(ग) बाल–बह्मचारी
(घ) क्षत्रियों के प्रबल विरोधी

(3) परशुराम ने अपने फरसे से क्या नहीं किया–
(क) क्षत्रिय कुल की रक्षा
(ख) क्षत्रिय कुल का विनाश
(ग) सहस्रबाहु की भुजाओं का नाश
(घ) माता की गर्दन काटी

(4) धनुष खंडित होने का सही कारण क्या था–
(क) पुराना धनुष होना
(ख) नया धनुष होना
(ग) राम का शिवभक्त होना
(घ) परशुराम से मित्रता होना

(5) परशुराम ने किसे भयानक बताया है–
(क) लक्ष्मण को
(ख) राम को
(ग) स्वयं को
(घ) फरसे को

10. **पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए–** $(1 \times 2 = 2)$

(1) 'अरी सरलते' के प्रयोग से कवि का क्या भाव प्रकट हुआ है?
(क) अपनत्व का भाव
(ख) विद्वेष का भाव
(ग) अनासक्ति का भाव
(घ) निर्लिप्तता का भाव

(2) 'अट नहीं रही है' कविता में कौन–सा गुण है?
(क) माधुर्यगुण
(ख) प्रसादगुण
(ग) ओजगुण
(घ) सगुण

खंड – ख (वर्णनात्मक प्रश्न)

11. **गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25–30 शब्दों में लिखिए–** $(2 \times 3 = 6)$

(क) यदि हालदार साहब को नेताजी की मूर्ति पर चश्मा लगा नहीं मिलता तो उनके मन में किस प्रकार का भाव आता?

(ख) 'काशी को संस्कृति की पाठशाला क्यों कहा गया है?

(ग) लेखक भदंत आनंद कौसल्यायन के अनुसार सिद्धार्थ ने अपना गृह–त्याग किस अपेक्षा से किया था? 'संस्कृति' पाठ के आधार पर लिखिए।

(घ) नवाब साहब के लेखक के प्रति सर्वप्रथम संबोधन से उनके विषय में आपकी क्या सोच बनती है? तथा लेखक के प्रत्युत्तर में उनकी प्रतिक्रिया आपकी दृष्टि में कैसी थी?

12. **पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25–30 शब्दों में लिखिए–** $(2 \times 3 = 6)$

(क) संगतकार का स्वर किन–किन परिस्थितियों में मुख्य गायक के स्वर को ढाँढ़स बँधाता है?

(ख) दंतुरित मुसकान से बच्चे की उम्र का अनुमान लगाइए और तर्क सहित उत्तर दीजिए।

(ग) गोपियों के अनुसार राजधर्म क्या होना चाहिए?

(घ) कवि को 'आत्मकथ्य' के माध्यम से अपनी गागर खाली होती हुई क्यों प्रतीत होती है? उनके अनुसार उसका रस लेकर अपनी भरने वालों के रूप में किन लोगों का डर है?

13. पूरक पाठ्यपुस्तक के पाठों पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए– $4 \times 2 = 8$

(क) 'माता का अँचल' पाठ में ग्राम्य संस्कृति के जिस रूप का चित्रण है– वह आधुनिक युग में पर्याप्त अंशों में परिवर्तित हो चुका है। परिवर्तित रूप से कुछ उदाहरण देते हुए इस कथन के समर्थन में अपने विचार लिखिए।

(ख) 'साना साना हाथ जोड़ि' यात्रा वृत्तांत में वर्णित ऐसी घटना का उल्लेख कीजिए जिसने आपको बहुत प्रभावित किया हो।

(ग) लेखक के अनुसार प्रत्यक्ष अनुभव की अपेक्षा अनुभूति उनके लेखन में कहीं अधिक मदद करती हैं, क्यों?

14. निम्नलिखित तीन विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में सारगर्भित अनुच्छेद लिखिए– (6)

(क) **भारत में बाढ़ की समस्या**

संकेत बिन्दु :

- बाढ़ के कारण
- जन-जीवन पर प्रभाव
- इससे बचने के उपाय।

(ख) **जीएसटी**

संकेत बिन्दु :

- परिचय
- पुरानी कर व्यवस्था
- परिवर्तित कर व्यवस्था।

(ग) **मधुर वाणी**

संकेत बिन्दु :

- मधुर वाणी : एक वरदान
- प्रभाव और प्रयोग
- जीवन में महत्त्व।

15. किसी बस में वारदात कर भाग रहे अपराधी को संवाहक द्वारा पकड़कर पुलिस को सौंपने की घटना के विवरण की जानकारी देते हुए परिवहन विभाग के प्रबंधक को लगभग 100 शब्दों में एक पत्र लिखकर उसे पुरस्कृत करने का अनुरोध कीजिए। (5)

अथवा

आपके छोटे भाई ने एक आवासीय विद्यालय में एक मास पूर्व ही प्रवेश लिया है। उसको मित्रों के चुनाव में सावधानी बरतने के लिए समझाते हुए लगभग 100 शब्दों में एक पत्र लिखिए।

16. सर्वोदय बाल विद्यालय गोल मार्केट दिल्ली में हिंदी विषय पीजीटी का पद रिक्त है। विज्ञापन के अनुसार अपनी योग्यता का विवरण प्रस्तुत करते हुए शिक्षा निदेशक को भेजने हेतु एक स्ववृत्त तैयार कीजिए। (5)

अथवा

आपके क्षेत्र में कोई भी टेलीविजन सहजता से दूरदर्शन के कार्यक्रम नहीं पकड़ पाता। बहुत संभव है यह केबल ऑपरेटरों की कारस्तानी हो। दूरदर्शन के महानिदेशक को एक ई-मेल लिखकर इस ओर उनका ध्यान आकृष्ट कीजिए।

17. विद्यार्थियों की जरूरत के हर सामान के लिए उपलब्ध 'कामधेनू भंडार का विज्ञापन लगभग 60 शब्दों में तैयार कीजिए। (4)

अथवा

आपकी सहेली की माता जी का देहांत हो गया है। लगभग 60 शब्दों में एक सांत्वना-संदेश लिखिए।

□□□□□□□

प्रतिदर्श प्रश्न पत्र 4 (सॉल्वड)
कक्षा–10 परीक्षा 2022–23
हिन्दी–अ (कोड–002)

निर्धारित समय– 3 घंटे **पूर्णांक – 80**

सामान्य निर्देश–

1. इस प्रश्नपत्र में दो खंड हैं– खंड 'क' और 'ख'। खंड–क में बहुविकल्पी/वस्तुपरक और खंड–ख में वर्णनात्मक प्रश्न दिए गए हैं।
2. प्रश्नपत्र के दोनों खंडों में प्रश्नों की संख्या 17 है और सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
3. यथासंभव सभी प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखिए।
4. खंड 'क' में कुल 10 प्रश्न हैं। जिनमें उपप्रश्नों की संख्या 49 है। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए 40 उपप्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
5. खंड 'ख' में कुल 7 प्रश्न हैं, सभी प्रश्नों के साथ उनके विकल्प भी दिए गए हैं। निर्देशानुसार विकल्प का ध्यान रखते हुए सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खंड – क (बहुविकल्पी प्रश्न/वस्तुपरक प्रश्न)

1. **निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए–** $(1 \times 5 = 5)$

समाज को यदि एक वृक्ष मान लिया जाए तो अर्थनीति उसकी जड़ है, राजनीति आधार है, विज्ञान आदि उसके तने हैं और संस्कृति उसके फूल। इसलिए नए समाज की अर्थनीति या राजनीति आदि पर ही हमें ध्यान नहीं देना चाहिए बल्कि उसकी संस्कृति की ओर सबसे अधिक ध्यान देना चाहिए क्योंकि मूल और तने की सार्थकता तो उसके फूल में ही है। दूसरे इन तीनों का संबंध इतना गहरा है कि आन इन्हें अलग–अलग कर भी नहीं सकते। नई अर्थनीति और राजनीति के साथ एक नई संस्कृति का विकास हमारी आँखों के सामने हो रहा है भले ही हम उसे देख न पाएँ या उसकी ओर से आँखें मूँद लें। अन्य क्षेत्रों में हमारी पंचवर्षीय योजनाएँ आ रही है किंतु क्या यह आश्चर्य की बात नहीं है कि संस्कृति के विकास में प्रगति देने के लिए एक भी व्यापक योजना हमारे सामने नहीं आ रही। जब राजनीति और अर्थशास्त्र दूसरी बड़ी–बड़ी योजनाओं में लगे हैं ओ कलाकारो! चलो हम अपनी परिमित शक्ति से इस क्षेत्र में कुछ काम कर दिखाएँ। आखिर यह क्षेत्र भी तो हमारा ही है। गुलाब की खेती के माली तो हम ही हैं। फूलों के संसार के भौंरे तो हम ही हैं। हम नहीं करेंगे, तो करेगा कौन?

(1) समाज, राजनीति, अर्थनीति, विज्ञान और संस्कृति क्रमशः किसके प्रतीक हैं?

(क) वृक्ष मूल, आधार, फूल और तने के

(ख) वृक्ष, आधार, जड़, तने और फूल के

(ग) फूल, वृक्ष, मूल, आधार और तने के

(घ) जड़, आधार, फूल, वृक्ष और तने के

उत्तर : (ख) वृक्ष, आधार, जड़, तने और फूल के

(2) हमारा विकास अधूरा क्यों है?

(क) सांस्कृतिक उत्थान नहीं होने के कारण

(ख) राजनैतिक उन्नति नहीं होने के कारण

(ग) भौतिक विकास न होने के कारण

(घ) आध्यात्मिक विकास न होने के कारण

उत्तर : (क) सांस्कृतिक उत्थान नहीं होने के कारण

(3) 'गुलाब की खेती' से लेखक का क्या आशय है?

(क) सांस्कृतिक अभ्युत्थान

(ख) औद्योगिक विकास

(ग) सौंदर्य का विकास

(घ) सुंदर उद्यानों का विनिर्माण

उत्तर : (क) सांस्कृतिक अभ्युत्थान

(4) उपर्युक्त गद्यांश का सर्वाधिक उपयुक्त शीर्षक होगा?
(क) समाजः एक वृक्ष
(ख) पंचवर्षीय योजनाएँ और सांस्कृतिक विकास
(ग) राजनीति और सांस्कृतिक विकास
(घ) कलाकार और सांस्कृतिक विकास
उत्तर : (घ) कलाकार और सांस्कृतिक विकास

(5) अर्थनीति और राजनीति के अतिरिक्त सांस्कृतिक उत्थान की ओर ध्यान देना भी आवश्यक है क्योंकि–
(क) संस्कृति ही देश को महान बनाती है
(ख) संस्कृति के विकास में ही देश का विकास है
(ग) ये तीनों परस्पर संबंधित हैं
(घ) सभी उत्तर सही हैं
उत्तर : (ग) ये तीनों परस्पर संबंधित हैं

2. **निम्नलिखित दो पद्यांशों में से किसी <u>एक</u> पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए–** $(1 \times 5 = 5)$

कैसे बेमौके पर तुमने ये
मज़हब के शोले सुलगाए।
मानव–मंगल–अभियानों में
जब नया कल्प आरम्भ हुआ
जब चंद्रलोक की यात्रा के
सपने सच होने को आए।
तुम राग अलापो मज़हब का
पैगम्बर को बदनाम करो,
नापाक हरकतों में अपनी
रूहों को कत्लेआम करो!
हम प्रजातंत्र में मनुष्यता के
मंगल–कलश संवार रहे
हर जाति–धर्म के लिए
खुला आकाश–प्रकाश पसार रहे।
उत्सर्ग हमारा आज
हिमालय की चोटी छू आया है।
सदियों की कालिख को
हमने बलिदानों से धोना है
मानवता की खुशहाली की
हरियाली फसलें बोना है।
बढ़–बढ़कर बातें करने की
बलिदानी रटते बान नहीं
इतना तो तुम भी समझ गए
यह कल का हिन्दुस्तान नहीं।

(1) 'मजहब के शोले' का तात्पर्य है–
(क) विभिन्न धर्मों से संबंधित बातें
(ख) धर्म पर आधारित नफ़रत की बातें
(ग) धर्म का उपदेश देने वाली बातें
(घ) धार्मिक विषयों पर विवादास्पद बातें
उत्तर : (ख) धर्म पर आधारित नफ़रत की बातें

(2) मजहब के शोले सुलगाने का यह मौका नहीं है क्योंकि–
(क) आधुनिक युग में ये बातें शोभाकर नहीं हैं।
(ख) चन्द्रलोक की यात्रा की तुलना में ये बातें हीन लगती हैं।
(ग) प्रगतिशील दृष्टिकोण ऐसी बातों को बेतुकी मानता है।
(घ) आज का इन्सान ऐसी बातों में आस्था नहीं रखता।
उत्तर : (ग) प्रगतिशील दृष्टिकोण ऐसी बातों को बेतुकी मानता है।

(3) 'मजहब का राग' अप्रासंगिक है क्योंकि प्रजातंत्र–
(क) मजहबी राग में विश्वास नहीं रखता।
(ख) जाति और धर्म को मानवता का हितकारी समझता है।
(ग) समाज को संकुचित दृष्टिकोण से नहीं देखता।
(घ) खुले आकाश के सामने देखता है।
उत्तर : (ग) समाज को संकुचित दृष्टिकोण से नहीं देखता।

(4) 'हरियाली फसलें बोना है' कथन का आशय है–
(क) मानवता को बढ़ावा देना।
(ख) देश को फलता–फूलता देखना।
(ग) सामाजिक भेद–भाव मिटाना।
(घ) सांप्रदायिकता का विरोध करना।
उत्तर : (ख) देश को फलता–फूलता देखना।

(5) अपने स्वार्थपूर्ण कार्यों से कौन पैगम्बर को बदनाम करते हैं?
(क) मजहब का राग अलापने वाले
(ख) लोकतंत्र की पैरवी करने वाले
(ग) बलिदानी लोग
(घ) समाज को संकुचित दृष्टि से देखने वाले
उत्तर : (क) मजहब का राग अलापने वाले

अथवा

जब बचपन तुम्हारी गोद में
आने से कतराने लगे,
जब माँ की कोख से झाँकती जिंदगी
बाहर आने से घबराने लगे,
समझो कुछ गलत है।
जब तलवारें फूलों पर,
जोर आज़माने लगें
जब मासूम आँखों में
खौफ़ नज़र आने लगे
समझो कुछ गलत है।
जब किलकारियाँ सहम जाएँ
तब तोतली बोलियाँ, खामोश हो जाएँ, समझो ....
कुछ नहीं, बहुत कुछ गलत है
क्योंकि जोर से बारिश होनी चाहिए थी,
पूरी दुनिया में, हर जगह, टपकने चाहिए थे आँसू
रोना चाहिए था ऊपर वाले को, आसमाँ से फूट–फूट कर
शर्म से झुकनी चाहिए थीं, इंसानी सभ्यता की गर्दनें
शोक का नहीं, सोच का वक्त है
मातम नहीं, सवालों का वक्त है
अगर इसके बाद भी सर उठा कर
खड़ा हो सकता है इंसान
समझो कि बहुत कुछ गलत है।

(1) माँ की कोख से झाँकती जिंदगी को घबराहट क्यों हो सकती है?
(क) उसे बाहर की असुरक्षा का आभास हो रहा है।
(ख) उसे प्रदूषण का डर सता रहा है।
(ग) उसे माँ ने बाहर की वास्तविकता बताई है।
(घ) बाहर का मौसम अनुकूल नहीं है।
उत्तर : (क) उसे बाहर की असुरक्षा का आभास हो रहा है।

(2) 'जब तलवारें फूलों पर जोर आज़माने लगें, जब मासूम आँखों में खौफ नज़र आने लगे' का तात्पर्य है–
(क) जब मासूमों पर अत्याचार होने लगे।
(ख) मानव अपने स्वार्थ के लिए उद्यान उजाड़ने लगे।
(ग) जब मासूम बच्चों को भय के बिना रहना पड़ें।
(घ) जब मासूम आपस में लड़ने लगे।
उत्तर : (क) जब मासूमों पर अत्याचार होने लगे।

(3) कवि के अनुसार बहुत गलत कब है?
(क) जब ओस तलवार की नोक पर गिरे।
(ख) जब मासूम सहम जाएँ।
(ग) जब बचपन समाप्ति की कगार पर हो।
(घ) जब किलकारियों की गूँज खामोश हो जाए।
उत्तर : (ख) जब मासूम सहम जाएँ।

(4) कुछ भी गलत नहीं है, यदि–
(क) बचपन गोद में आने लगे
(ख) बाल श्रम बढ़ जाए
(ग) बच्चों पर अत्याचार होने लगे
(घ) भ्रूण हत्या होने लगे।
उत्तर : (क) बचपन गोद में आने लगे

(5) कवि के अनुसार अभी किसका वक्त है?
(क) सोच विचार का
(ख) दुख मनाने का
(ग) उत्सव मनाने का
(घ) मासूमों का
उत्तर : (क) सोच विचार का

3. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए– **$(1 \times 4 = 4)$**

(1) अल्पज्ञानी व्यक्ति बुद्धिमान की कद्र करना क्या जाने। रचना के आधार पर वाक्य भेद है–
(क) सरल वाक्य
(ख) मिश्र वाक्य
(ग) संयुक्त वाक्य
(घ) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (क) सरल वाक्य

(2) बल के अभिमान के कारण वह सबसे झगड़ता फिरता है। इस वाक्य को संयुक्त वाक्य में बदलिए।
(क) उसे बल का अभिमान है इसलिए वह सबसे झगड़ता फिरता है
(ख) क्योंकि उसे बल का अभिमान है इसलिए वह सबसे झगड़ता फिरता है
(ग) उसे बल का अभिमान है अतः वह झगड़ा करता है
(घ) बल अभिमान के कारण वह सबसे झगड़ता फिरता है
उत्तर : (क) उसे बल का अभिमान है इसलिए वह सबसे झगड़ता फिरता है

(3) **<u>ज्योंही मैं स्टेशन पहुँचा</u>** ट्रेन निकल गई। इस वाक्य के रेखांकित भाग में आश्रित उपवाक्य है–

(क) क्रिया–विशेषण उपवाक्य

(ख) संज्ञा उपवाक्य

(ग) विशेषण उपवाक्य

(घ) अन्य वाक्य

उत्तर : (क) क्रिया–विशेषण उपवाक्य

(4) सोहन ने एक पुस्तक पढ़ी जो अत्यंत पुरानी थी। इस वाक्य को सरल वाक्य में बदलिए।

(क) एक अत्यंत पुरानी पुस्तक थी जो सोहन ने पढ़ी

(ख) सोहन ने एक अत्यंत पुरानी पुस्तक पढ़ी

(ग) एक पुस्तक सोहन ने पढ़ी जो अत्यंत पुरानी थी

(घ) सोहन ने एक पुस्तक पढ़ी और वह अत्यंत पुरानी थी

उत्तर : (ख) सोहन ने एक अत्यंत पुरानी पुस्तक पढ़ी

(5) कॉलम 1 को कॉलम 2 के साथ सुमेलित कीजिए और सही विकल्प चुनकर लिखिए–

कॉलम 1		कॉलम 2	
(1)	मैं भी आपके साथ चलता, किंतु मेरा स्वास्थ्य ठीक नहीं है।	(i)	सरल वाक्य
(2)	सूर्योदय होने पर चारों ओर रोशनी फैल गई।	(ii)	संयुक्त वाक्य
(3)	जिन छात्रों ने परिश्रम किया, वे परीक्षा में उत्तीर्ण हो गए।	(iii)	मिश्र वाक्य

विकल्प

(क) 1-iii, 2-i, 3-ii

(ख) 1-ii, 2-iii, 3-i

(ग) 1-ii, 2-i, 3-iii

(घ) 1-ii, 2-i, 3-iii

उत्तर : (ग) 1-ii, 2-i, 3-iii

4. निर्देशानुसार 'वाच्य' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं <u>चार</u> प्रश्नों के उत्तर दीजिए– $(1 \times 4 = 4)$

(1) कॉलम 1 को कॉलम 2 के साथ सुमेलित कीजिए और सही विकल्प चुनकर लिखिए–

कॉलम 1		कॉलम 2	
(1)	यह पुस्तक बच्चों द्वारा तैयार की गई।	(i)	कर्तृवाच्य
(2)	बच्चों ने खाना खाया।	(ii)	कर्मवाच्य
(3)	लड़की द्वारा आँगन में सोया जा रहा था।	(iii)	भाववाच्य

विकल्प

(क) 1-iii, 2-i, 3-ii

(ख) 1-ii, 2-iii, 3-i

(ग) 1-ii, 2-i, 3-iii

(घ) 1-ii, 2-i, 3-iii

उत्तर : (ग) 1-ii, 2-i, 3-iii

(2) माँ ने पुत्र को सुला दिया। इस वाक्य को कर्मवाच्य में बदलिए।

(क) पुत्र को सुलाया माँ ने

(ख) माँ द्वारा पुत्र को सुलाया गया

(ग) माँ ने सुलाया पुत्र को

(घ) माँ से पुत्र को सुलाया गया

उत्तर : (ख) माँ द्वारा पुत्र को सुलाया गया

(3) निम्नलिखित में से कर्मवाच्य वाला वाक्य छाँटिए–

(क) तुम्हें किसने भेजा है यहाँ?

(ख) तुम्हें किसने यहाँ भेजा है?

(ग) भेजा है किसने तुम्हें यहाँ?

(घ) तुम्हें यहाँ किसके द्वारा भेजा गया है?

उत्तर : (घ) तुम्हें यहाँ किसके द्वारा भेजा गया है?

(4) अध्यापिका ने बच्चों को पाठ पढ़ाया। इस वाक्य में प्रयुक्त वाच्य का नाम चुनिए।

(क) भाववाच्य

(ख) कर्तृवाच्य

(ग) अकर्तृवाच्य

(घ) कर्मवाच्य

उत्तर : (ख) कर्तृवाच्य

(5) बच्चे खीर बहुत चाव से खाते हैं। इस वाक्य को कर्मवाच्य में बदलिए।

(क) बच्चों द्वारा खीर बहुत चाव से खाई जाती है।

(ख) बच्चों के द्वारा खीर खाई गई।

(ग) बच्चों ने खीर बहुत चाव से खाई थी।

(घ) बच्चे खीर खाएँगे।

उत्तर : (क) बच्चों द्वारा खीर बहुत चाव से खाई जाती है।

5. **निर्देशानुसार 'पद परिचय' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए– $(1 \times 4 = 4)$**

(1) चीता तेज़ दौड़ता है। इस वाक्य में रेखांकित पद का सही पद परिचय होगा–

(क) परिमाणवाचक क्रियाविशेषण

(ख) स्थानवाचक क्रियाविशेषण

(ग) रीतिवाचक क्रियाविशेषण

(घ) कालचक्र क्रियाविशेषण

उत्तर : (ग) रीतिवाचक क्रियाविशेषण

(2) सैनिक राष्ट्र की सरहदों की रक्षा करते हैं। इस वाक्य में रेखांकित पद का सही पद परिचय होगा–

(क) जातिवाचक संज्ञा, बहुवचन, स्त्रीलिंग, सम्बन्ध कारक

(ख) समूहवाचक संज्ञा, बहुवचन, स्त्रीलिंग, सम्बन्ध कारक

(ग) भाववाचक संज्ञा, बहुवचन, स्त्रीलिंग, सम्बन्ध कारक

(घ) व्यक्तिवाचक संज्ञा, बहुवचन, स्त्रीलिंग, सम्बन्ध कारक

उत्तर : (क) जातिवाचक संज्ञा, बहुवचन, स्त्रीलिंग, सम्बन्ध कारक

(3) मैं प्रतिदिन भ्रमण के लिए जाता हूँ। इस वाक्य में रेखांकित पद का सही पद परिचय होगा–

(क) पुरुषवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, बहुवचन, कर्ता कारक

(ख) पुरुषवाचक सर्वनाम (उत्तम पुरुष), पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक, ('जाता हूँ' क्रिया का कर्ता)

(ग) पुरुषवाचक सर्वनाम (अन्य पुरुष), पुल्लिंग, एकवचन, कर्म कारक

(घ) पुरुषवाचक सर्वनाम, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्म कारक

उत्तर : (ख) पुरुषवाचक सर्वनाम (उत्तम पुरुष), पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक, ('जाता हूँ' क्रिया का कर्ता)

(4) शंकर आज बाजार नहीं गया क्योंकि वह बीमार था। इस वाक्य में रेखांकित पद का सही पद परिचय होगा–

(क) सम्बन्धबोधक अव्यय

(ख) विस्मयादिबोधक अव्यय

(ग) समुच्चयबोधक अव्यय

(घ) क्रियाविशेषण अव्यय

उत्तर : (ग) समुच्चयबोधक अव्यय

(5) इस बालक ने गणित में अच्छे अंक प्राप्त किए हैं। इस वाक्य में रेखांकित पद का सही पद परिचय होगा–

(क) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिग, एकवचन, कर्ता कारक।

(ख) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिग, एकवचन, अपादान कारक

(ग) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिग, एकवचन, करण कारक

(घ) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिग, एकवचन, कर्म कारक

उत्तर : (क) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिग, एकवचन, कर्ता कारक

6. **निर्देशानुसार 'अलंकार' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए– $(1 \times 4 = 4)$**

(1) चाहनहार सुवर्ण के, कविजन और सुनार।
इस पंक्ति में कौन–सा अलंकार प्रयुक्त हुआ है?

(क) श्लेष (ख) उत्प्रेक्षा

(ग) मानवीकरण (घ) अतिश्योक्ति

उत्तर : (क) श्लेष

(2) नीको सतु ललाट पर, टीको जरित जराइ।
छबिहिं बढावत रवि मनौ, ससि मंडल में आइ।।
इन पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार है–

(क) श्लेष (ख) उत्प्रेक्षा

(ग) मानवीकरण (घ) अतिश्योक्ति

उत्तर : (ख) उत्प्रेक्षा

(3) लोने–लोने वे घने चने क्या बने–बने इठलाते हैं, हौले–हौले होली गा–गा घुंघरू पर ताल बजाते हैं।
इस पंक्ति में कौन–सा अलंकार प्रयुक्त हुआ है?

(क) श्लेष (ख) उत्प्रेक्षा

(ग) मानवीकरण (घ) अतिश्योक्ति

उत्तर : (ग) मानवीकरण

(4) तुम्हारी यह दंतुरित मुस्कान।
मृतक में भी डाल देगी जान।।
इन पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार है–

(क) श्लेष (ख) उत्प्रेक्षा

(ग) मानवीकरण (घ) अतिश्योक्ति

उत्तर : (घ) अतिश्योक्ति

(5) धरती पसीजी है कहीं?
इस पंक्ति में कौन–सा अलंकार प्रयुक्त हुआ है?

(क) श्लेष (ख) उत्प्रेक्षा

(ग) मानवीकरण (घ) अतिश्योक्ति

उत्तर : (ग) मानवीकरण

7. **निम्नलिखित पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए– $(1 \times 5 = 5)$**

भादों की वह अँधेरी अधरतिया। अभी थोड़ी ही देर पहले मूसलाधार वर्षा खत्म हुई है। बादलों की गरज, बिजली की तड़प में आपने कुछ नहीं सुना हो, किंतु अब झिल्ली की झंकार या दादुरों की टर्र–टर्र बालगोबिन भगत के संगीत को अपने कोलाहल में डुबो नहीं सकतीं। उनकी खंजड़ी डिमक–डिमक बज रही है और वे गा रहे हैं– गोदी में पियवा चमक उठे

सखिया, चिहुँक उठे ना! हाँ, पिया तो गोद में ही है, किंतु वह समझती है, वह अकेली है, चमक उठती है, चिहुँक उठती है। उसी भरे–बादलों वाले भादो की आधी रात में उनका यह गाना अँधेरे में अकस्मात कौंध उठने वाली बिजली की तरह किसे न चौंका देता? अरे, अब सारा संसार निस्तब्धता में सोया है, बालगोबिन भगत का संगीत जाग रहा है, जगा रहा है!

(1) प्रस्तुत गद्यांश में किस माह का वर्णन है–

(क) चैत्र (ख) माघ

(ग) भादो (घ) कार्तिक

उत्तर : (ग) भादो

(2) गाँव के लोग कब चकित हो जाग उठते थे–

(क) भगत का गाना सुनकर

(ख) कबीर की धुन सुनकर

(ग) बिजली कौंधने से

(घ) बादल गरजने की आवाज सुनकर

उत्तर : (क) भगत का गाना सुनकर

(3) किसका संगीत सभी को जगा रहा था–

(क) कबीरदास का

(ख) भगत का

(ग) बिजली का

(घ) सखियो का

उत्तर : (क) कबीरदास का

(4) भगत जी भजन गाते समय क्या बजाया करते थे?

(क) ढोल (ख) ढपली

(ग) गिटार (घ) खँजड़ी

उत्तर : (घ) खँजड़ी

(5) बालगोबिन भगत के संगीत को अपने कोलाहल में कौन डुबो सकता था?

(क) झिल्ली की झंकार

(ख) दादुरों की टर्र–टर्र

(ग) क व ख दोनों

(घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर : (घ) इनमें से कोई नहीं

8. गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए– $(1 \times 2 = 2)$

(1) अनुमान के प्रतिकूल डिब्बा निर्जन नहीं था। यहां निर्जन से आप क्या समझते हैं?

(क) गरीब

(ख) खाली

(ग) भरा

(घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर : (ख) खाली

(2) किस घटना के बारे में सुनने पर लेखिका को अपनी आँखों पर विश्वास नहीं हुआ?

(क) डॉक्टर साहब द्वारा अपने पिता से कही बातें को

(ख) कॉलेज बंद होने वाली घटना

(ग) प्रिंसिपल द्वारा अनुशासनात्मक कार्यवाही वाली घटना

(घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर : (ग) प्रिंसिपल द्वारा अनुशासनात्मक कार्यवाई वाली घटना।

9. निम्नलिखित पठित पद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए– $(1 \times 5 = 5)$

लखन कहा हसि हमरे जाना। सुनहु देव सब धनुष समाना।।
का छति लाभु जून धनु तोरें। देखा राम नयन के भोरें।।
छुअत टूट रघुपतिहु न दोसू। मुनि बिनु काज करिअ कत रोसू।।
बोले चितै परसु की ओरा। रे सठ सुनेहि सुभाउ न मोरा।।
बालकु बोलि बधौं नहि तोही। केवल मुनि जड़ जानहि मोहि।।
बाल ब्रह्मचारी अति कोही। बिस्वबिदित क्षत्रियकुल द्रोही।।
भुजबल भूमि भूप बिनु कीन्ही। बिपुल बार महिदेवन्ह दीन्ही।।
सहसबाहुभुज छेदनिहारा। परसु बिलोकु महीपकुमारा।।
मातु पितहि जनि सोचबस करसि महीसकिसोर।
गर्भन्ह के अर्भक दलन परसु मोर अति घोर।।

(1) प्रस्तुत पद्यांश में संवाद किनके बीच है–

(क) राम और परशुराम के बीच

(ख) लक्ष्मण और परशुराम के बीच

(ग) राम और लक्ष्मण के बीच

(घ) तीनों के बीच

उत्तर : (ख) लक्ष्मण और परशुराम के बीच

(2) परशुराम के स्वभाव में क्या विशेषता नहीं थी–

(क) दुर्बल योद्धा

(ख) क्रोधी

(ग) बाल–ब्रह्मचारी

(घ) क्षत्रियों के प्रबल विरोधी

उत्तर : (क) दुर्बल योद्धा

(3) परशुराम ने अपने फरसे से क्या नहीं किया–
(क) क्षत्रिय कुल की रक्षा
(ख) क्षत्रिय कुल का विनाश
(ग) सहस्रबाहु की भुजाओं का नाश
(घ) माता की गर्दन काटी
उत्तर : (क) क्षत्रिय कुल की रक्षा

(4) धनुष खंडित होने का सही कारण क्या था–
(क) पुराना धनुष होना
(ख) नया धनुष होना
(ग) राम का शिवभक्त होना
(घ) परशुराम से मित्रता होना
उत्तर : (ग) राम का शिवभक्त होना

(5) परशुराम ने किसे भयानक बताया है–
(क) लक्ष्मण को (ख) राम को
(ग) स्वयं को (घ) फरसे को
उत्तर : (घ) फरसे को

10. पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए– $(1 \times 2 = 2)$

(1) 'अरी सरलते' के प्रयोग से कवि का क्या भाव प्रकट हुआ है?
(क) अपनत्व का भाव
(ख) विद्वेष का भाव
(ग) अनासक्ति का भाव
(घ) निर्लिप्तता का भाव
उत्तर : (क) अपनत्व का भाव

(2) 'अट नहीं रही है' कविता में कौन–सा गुण है?
(क) माधुर्यगुण
(ख) प्रसादगुण
(ग) ओजगुण
(घ) सगुण
उत्तर : (ख) प्रसादगुण

खंड – ख (वर्णनात्मक प्रश्न)

11. गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25–30 शब्दों में लिखिए– $(2 \times 3 = 6)$

(क) यदि हालदार साहब को नेताजी की मूर्ति पर चश्मा लगा नहीं मिलता तो उनके मन में किस प्रकार का भाव आता?
उत्तर :
हालदार साहब को यदि मूर्ति पर चश्मा लगा हुआ नहीं मिलता तो उनके मत में यही बात आती कि इस कस्बे में सुभाष बाबू का सम्मान बनावानी तो आती है लेकिन उनका सम्मान करना नहीं आता। कैप्टन की मृत्यु होने के बाद अब इस कस्बे में देशभक्ति नहीं बची है।

(ख) 'काशी को संस्कृति की पाठशाला क्यों कहा गया है?
उत्तर :
काशी को संस्कृति की पाठशाला इसलिए कहा गया है क्योंकि यहाँ की गंगा–जमुना संस्कृति अद्‌भुत है। यहाँ विभिन्न धर्मों के अनुयायी मिल–जुलकर सद्‌भाव से रहते हैं। यहाँ बड़े रामदास जी हैं तो मौजुद्दीन खाँ भी हैं। यहाँ की तहजीब लोगों को कुछ नया सीखने के लिए प्रेरित करती है।

(ग) लेखक भदंत आनंद कौसल्यायन के अनुसार सिद्धार्थ ने अपना गृह–त्याग किस अपेक्षा से किया था? 'संस्कृति' पाठ के आधार पर लिखिए।
उत्तर :
लेखक भदंत आनंद कौसल्यायन के अनुसार तृष्णा के वशीभूत लड़ती–कटती मानवता को सुख देने की अपेक्षा से ही आज से ढाई हजार वर्ष पूर्व सिद्धार्थ ने गृह–त्याग किया था। मानवता का उत्थान करना ही उनका परम लक्ष्य था।

(घ) नवाब साहब के लेखक के प्रति सर्वप्रथम संबोधन से उनके विषय में आपकी क्या सोच बनती है? तथा लेखक के प्रत्युत्तर में उनकी प्रतिक्रिया आपकी दृष्टि में कैसी थी?
उत्तर :
लेखक के प्रति नवाब साहब के सर्वप्रथम संबोधन से यह प्रतीत होता है कि नवाब साहब स्वयं को लेखक से श्रेष्ठ समझते हुए यह आशा कर रहे थे कि पहले लेखक उनका अभिवादन करेगा। उनके मन में अहंकार का भाव था। लेखक के प्रत्युत्तर में उनकी प्रतिक्रिया दिखावे और आडंबर से परिपूर्ण थी।

12. पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25–30 शब्दों में लिखिए– $(2 \times 3 = 6)$

(क) संगतकार का स्वर किन–किन परिस्थितियों में मुख्य गायक के स्वर को ढाँढ़स बँधाता है?

उत्तर :

मुख्य गायक जब अंतरे की जटिल तानों के जंगल में खोकर, भटकता हुआ एक अनहद में चला जाता है तब संगतकार स्थायी सँभालता है। वहीं गायक का गला बैठने तथा उत्साह समाप्त होने की स्थिति में भी वह उसका साथ देता है। इस प्रकार संगतकार मुख्य गायक के स्वर को ढाँढ़स बँधाता है।

(ख) दंतुरित मुसकान से बच्चे की उम्र का अनुमान लगाइए और तर्क सहित उत्तर दीजिए।

उत्तर :

इस कविता से यह अनुमान लगता है कि वह बच्चा 8-9 महीने का रहा होगा। बच्चों के दाँत लगभग इसी उम्र में आने लगते हैं। यह बच्चा भी अपने निरछल दंतुरित मुसकान से सबका मन मोह लेता है।

(ग) गोपियों के अनुसार राजधर्म क्या होना चाहिए?

उत्तर :

गोपियों के अनुसार–राजधर्म तो यही कहता है कि प्रजा को सताया न जाए। अतः कृष्ण को चाहिए कि उन पर अन्याय न करें बल्कि उन्हें दर्शन देकर अपने राजधर्म करें। राजा बनने से उनकी जिम्मेदारी बढ़ गई है।

(घ) कवि को 'आत्मकथ्य' के माध्यम से अपनी गागर खाली होती हुई क्यों प्रतीत होती है? उनके अनुसार उसका रस लेकर अपनी भरने वालों के रूप में किन लोगों का डर है?

उत्तर :

कवि को लगता है कि जब भी वह आत्मकथा लिखने बैठता है तो उसे अपनी कमियाँ और कमजोरियाँ दिखाई देती हैं। कोई उपलब्धि दिखाई नहीं देती। उसे यह भी डर है कि उसकी कमजोरियों का मज़ाक उड़ाकर उसके धोखेबाज मित्र मज़े ही लेंगे। बदले में उसे कुछ नहीं मिलेगा।

13. पूरक पाठ्यपुस्तक के पाठों पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50–60 शब्दों में लिखिए– $4 \times 2 = 8$

(क) 'माता का अँचल' पाठ में ग्राम्य संस्कृति के जिस रूप का चित्रण है– वह आधुनिक युग में पर्याप्त अंशों में परिवर्तित हो चुका है। परिवर्तित रूप से कुछ उदाहरण देते हुए इस कथन के समर्थन में अपने विचार लिखिए।

उत्तर :

'माता का अँचल' पाठ में ग्राम्य संस्कृति के जिस रूप का चित्रण है वह आधुनिक युग में परिवर्तित हो चुकी है। संचार माध्यम व शहरी संस्कृति के कारण वहाँ के लोगों में जीवन–शैली बदल चुकी है। वहाँ के स्थान एकल परिवारों ने ले लिया है। मकान सिमट गए हैं। बच्चे मोबाइल, लैपटॉप आइपैड का प्रयोग करने लगे हैं। खेल खेलने की सामग्री बदल गई है। खेल मंहगें हो गए है। जिस से वहाँ के नागरिक हर क्षेत्र की जानकारी रखते है, वे परिवेश के प्रति जागरूक हैं। बैंक की सुविधा उन्हें प्राप्त है। उत्तम खाद बीज व कृषि–साधनों का प्रयोग करते है।

(ख) 'साना साना हाथ जोड़ि' यात्रा वृत्तांत में वर्णित ऐसी घटना का उल्लेख कीजिए जिसने आपको बहुत प्रभावित किया हो।

उत्तर :

'साना साना हाथ जोड़ि' पाठ में वर्णित निम्नलिखित घटना ने हमें बहुत प्रभावित किया। जब लेखिका पहाड़ी सौंदर्य का आनंद लेने में डूबी हुई थी, तभी उसने देखा कि पहाड़ों पर अपने कोमल हाथों में कुदाल उठाए और पीठ पर छोटे बच्चों को बाँधे हुए पहाड़ी औरतें पत्थरों की खुदाई में जी तोड़ मेहनत कर रही थीं। वे पहाड़ी रास्तों को चौड़ा करने का कार्य कर रही थीं। प्रकृति के इतने खूबसूरत नज़ारों के बीच जीवन की सच्चाई, पेट भरने के लिए उन औरतों द्वारा किया जा रहा कठिन परिश्रम दिल को झकझोर देने वाला था। इस वास्तवकिता से मुख नहीं मोडत्रा जा सकता कि पहाड़ पर जीवन जीना एक संघर्ष है।

(ग) लेखक के अनुसार प्रत्यक्ष अनुभव की अपेक्षा अनुभूति उनके लेखन में कहीं अधिक मदद करती हैं, क्यों?

उत्तर :

लेखक के अनुसार लेखन भीतरी विवशता से पैदा होता है। यह विवशता मन के अंदर से उपजी अनुभूति के कारण पैदा होती है। वह कितना भी कुछ पढ़ ले, लेकिन जब तक उसके मन की आकुलता बुद्धि से आगे बढ़कर संवेदना महसूस नहीं करेगा वह विवश नहीं होगा। विवशता किसी भी रचनाकार के अंदर एक आकुलता भर देती है जो अपने मन के भावों को कागज पर उतार कर शांत हो पाता है। लेखक ने इसी अकुलाहट को समझाने के लिए 'हिरोशिमा' नामक कविता की चर्चा है।

14. निम्नलिखित तीन विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में सारगर्भित अनुच्छेद लिखिए– (6)

(क) **भारत में बाढ़ की समस्या**

संकेत बिन्दु :

- बाढ़ के कारण
- जन–जीवन पर प्रभाव
- इससे बचने के उपाय।

(ख) **जीएसटी**

संकेत बिन्दु :

- परिचय
- पुरानी कर व्यवस्था
- परिवर्तित कर व्यवस्था।

(ग) **मधुर वाणी**

संकेत बिन्दु :

- मधुर वाणी : एक वरदान
- प्रभाव और प्रयोग
- जीवन में महत्त्व।

उत्तर :

(क) भारत में बाढ़ की समस्या

बाढ़ प्रकृति का एक बहुत भीषण स्वरूप है। यह भयंकरता का सूचक है, इसका दृश्य बहुत ही भयप्रद होता है। गंगा, यमुना, बिहार की कोसी नदी और उड़ीसा की महानदी आदि नदियों में बाढ़ आती है जिसमें हजारों व्यक्ति काल के गर्त में समा जाते हैं। मकान डूब जाते हैं, खेती नष्ट हो जाती है तथा पशु–धन आदि सब बह जाते हैं। इसके कारण जनजीवन पर बहुत प्रभाव पड़ता है, लोग बेघर हो जाते हैं। फसलें बर्बाद होने के कारण उद्योग–धंधे अस्त–व्यस्त हो जाते हैं। पहनने के लिए वस्त्र का अभाव अन्न–जल की समस्या आदि बाढ़ ग्रस्त लोगों का जीना मुश्किल कर देती है। बाढ़ की विभीषिका से त्रस्त होकर लोगों को मजदूरी करने व बढ़ने के लिए अन्य राज्यों में जाना पड़ता है। बाढ़ एक प्राकृतिक प्रकोप है इसलिए इसे रोकना मुश्किल है, परन्तु इससे बचने के लिए उपाय किए जा सकते हैं। हमारी सरकार इस दिशा में सक्रिय है। उसने अनेक डैमों का निर्माण करवाया जिससे जल पर नियंत्रण किया गया तथा साथ ही साथ जल से बिजली उत्पन्न कर अनेक उद्योग–धंधों के विकास में भी योगदान दिया। हमारा कर्त्तव्य होना चाहिए कि जब कभी भी देश में कहीं भी बाढ़ के रूप में आपत्ति आए तो हम तन मन और धन से बाढ़–पीड़ितों की सहायता करें।

(ख) जीएसटी

जीएसटी, भारत के कर ढांचें में सुधार का एक बहुत बड़ा कदम है। वस्तु एवं सेवा कर एक अप्रत्यक्ष कर कानून है। यह एक एकीकृत कर है जो वस्तुओं और सेवाओं दोनों पर लगता है। जीएसटी लागू होने से पूरा देश, एकीकृत बाजार में तब्दील हो गया है और ज्यादातर अप्रत्यक्ष कर जैसे केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, सेवा कर आदि जीएसटी में समाहित हो गए है। इससे पूरे भारत में एक ही प्रकार का अप्रत्यक्ष कर हो गया है। भारत का पुराना कर ढांचा बहुत ही जटिल था। भारतीय संविधान के अनुसार मुख्य रूप से वस्तुओं की बिक्री पर कर लगाने का अधिकार राज्य सरकार और वस्तुओं के उत्पादन व सेवाओं पर कर लगाने का अधिकार केन्द्र सरकार के पास था। इस कारण देश में अलग अलग तरह के कर लागू थे जिससे देश की कर व्यवस्था बहुत ही जटिल हो गई थी। कम्पनियों और छोटे व्यवसायों के लिए विभिन्न प्रकार के कर कानूनों का पालन करना मुश्किल होता है। अप्रत्यक्ष कर व्यवस्था में कर–भार अंतिम उपभोक्ता को वहन करना पड़ता है लेकिन कर का संग्रहण व्यवसायियों द्वारा किया जाता है। जीएसटी लागू होने से पूरे देश में एक ही प्रकार का अप्रत्यक्ष कर हो गया है जिससे लागत में कमी आई है। जीएसटी केवल अप्रत्यक्ष करों को एकीकृत करता है, प्रत्यक्ष कर जैसे आय–कर आदि पुरानी व्यवस्था के अनुसार ही लगते हैं। जीएसटी के लागू होने से पूरे भारत में वस्तुओं और सेवाओं की लागत में स्थिरता आई है। जीएसटी का सबसे महत्त्वपूर्ण लाभ यह है कि पूरे भारत में एक ही रेट से टैक्स लगता है जिससे सभी राज्यों में वस्तुओं और सेवाओं की कीमत एक जैसी होती है। जीएसटी के आने के कुछ वर्षों बाद व्यवसाय करना आसान हो जाएगा लेकिन शुरुआती वर्षों में व्यवसायों को मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है।

(ग) मधुर वाणी

मधुर वाणी एक वरदान है। यह हमारे सभी कामों को बना देती है। मधुर वचन मानो वशीकरण मंत्र के समान है, जो सामने वाले व्यक्ति को सहज ही अपने वश में कर लेते हैं। कटु वचन एक तीर के समान होते हैं जो अंदर तक जाकर धँस जाते हैं जिसका घाव भरना भी मुश्किल हो जाता है। शब्दों के तीर या बाण जब चल जाते हैं तो वापस लौटकर नहीं आते। उनका प्रभाव होना निश्चित है। इसलिए मनुष्य को प्रयासपूर्वक मीठे वचन ही बोलने चाहिए। मीठे वचन बोलने वाला व्यक्ति सभी जगह से आदर–सम्मान ही पाता है परन्तु कटुभाषी व्यक्ति हमेशा निंदा का पात्र बनता है न कोई उसका मित्र बनता है तथा न कोई उससे बात करने में इच्छुक होता है। वह अकेला ही रह जाता है। कटुभाषी जो व्यक्ति होते हैं उनमें धीरे–धीरे क्रोध दुश्मनी जैसे भावों का विकास होता चला जाता है परन्तु मीठे वचन बोलने वाले मृदुभाषी व्यक्ति में नम्रता, शिष्टता जैसे गुणों का विकास और भी होता चला जाता है। मीठी वाणी बोलने का जीवन में बहुत महत्त्व है। इससे परिवार और समाज की सुख–शांति भी बनी रहती है आदर–सम्मान मिलता है सद्भावना एवं सहृदयता का संचार होता है। मधुर वाणी बोलकर हम जीवन में सफलता प्राप्त कर सकते हैं और सबके आत्मीय भी बन सकते हैं।

15. किसी बस में वारदात कर भाग रहे अपराधी को संवाहक द्वारा पकड़कर पुलिस को सौंपने की घटना के विवरण की जानकारी देते हुए परिवहन विभाग के प्रबंधक को लगभग 100 शब्दों में एक पत्र लिखकर उसे पुरस्कृत करने का अनुरोध कीजिए। (5)

उत्तर :

सेवा में,
प्रबन्धक महोदय,
परिवहन विभाग,
4XX–बी, मिंटो रोड़,
नई दिल्ली।
दिनांक : 21 फरवरी, 20xx
विषय : संवाहक को पुरस्कृत करने के संदर्भ में।

महोदय,

मैं दिनांक 18 फरवरी को विकासपुरी मोड़ से xxx रूट की बस नं. DL-IP-7xxx में प्रातः काल 8:30 बजे चढ़ा। बस में काफी भीड़ थी। अतः मैं पीछे ही खड़ा था। बस मोती नगर पहुँची थी कि कुछ लोग पीछे से चढ़े और तभी मेरी जेब से मेरा बटुआ गायब हो गया। मैंने शोर मचाया, तो एक व्यक्ति बस से कूदकर भाग निकला। कंडक्टर नेमीचंद ने बस रूकवाई और उसके पीछे भाग लिया। उस व्यक्ति ने चाकू दिखाया, मगर इसका नेमीचंद पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा और उसने उसे धर दबोचा तथा उसे पुलिस के हवाले कर दिया।

मेरा बटुआ सही सलामत मुझे वापस मिल गया। मैंने उसे सौ रुपये पुरस्कार स्वरूप देने चाहे, मगर उसने सधन्यवाद लौटा दिए। ऐसे कर्तव्यनिष्ठ एवं साहसी कर्मचारी कम ही देखने को मिलते हैं, जो अपनी जान जोखिम में डालकर दूसरों की सहायता करते हैं।

अतः आपसे निवेदन है कि परिवहन विभाग के श्री नेमीचंद जिनका बैज नं. 53xxx है, को सम्मानित व पुरस्कृत करके अन्य कर्मचारियों के समक्ष उदाहरण प्रस्तुत करें।

भवदीय

श्रीकृष्ण गुप्ता

45, विकासपुरी, नई दिल्ली

अथवा

आपके छोटे भाई ने एक आवासीय विद्यालय में एक मास पूर्व ही प्रवेश लिया है। उसको मित्रों के चुनाव में सावधानी बरतने के लिए समझाते हुए लगभग 100 शब्दों में एक पत्र लिखिए।

उत्तर :

अनुराग अग्रवाल

4/126, मालवीय नगर,

जयपुर।

दिनांक : 02 अगस्त, 20xx

प्रिय सचिन,

हम सभी यहाँ सकुशल है और आशा करता हूँ कि तुम भी सकुशल होगे। तुम्हें सेंट जोसफ स्कूल गए हुए एक महीना हो गया है। अब तो वहाँ तुम्हारा मन लग गया होगा। बड़ा भाई के नाते मैं तुम्हें यह बताना चाहता हूँ कि मित्र बनाते समय तुम्हें बहुत सावधानी बरतनी होगी। क्योंकि अच्छी संगत वाले मित्रों के साथ रहोगे तो अच्छे इंसान बनोगे और बुरी संगत वाले मित्रों के साथ रहोगे तो बुरे इंसान बनोगे। सच्चा मित्र वहीं होता है जो हर मुसीबत में तुम्हारी मदद करे।

विद्वानों ने भी कहा है, "जीवन में अच्छी संगति का बहुत महत्त्व होता है।" एक अच्छा मित्र हो तो वह सही मार्गदर्शन कर हमें सफलता के शिखर पर ले जाता है। अतः तुम्हें मित्र बनाते समय इन बातों का विशेष ध्यान रखना होगा।

तुम्हारा भाई,

अनुराग

16. सर्वोदय बाल विद्यालय गोल मार्केट दिल्ली में हिंदी विषय पीजीटी का पद रिक्त है। विज्ञापन के अनुसार अपनी योग्यता का विवरण प्रस्तुत करते हुए शिक्षा निदेशक को भेजने हेतु एक स्ववृत्त तैयार कीजिए। (5)

उत्तर :

नाम	:	सुरेश ठाकुर
पिता का नाम	:	राम प्रकाश ठाकुर
माता का नाम	:	सुनीता ठाकुर
जन्मतिथि	:	30 जुलाई 1992
वर्तमान पता	:	302 गोल मार्केट नई दिल्ली 11001
दूरभाष	:	011–225xxxx
मोबाईल संख्या	:	982964xxxx
ईमेल	:	sureshthakur123@gmail.com

शैक्षणिक योग्तया :

क्र. सं.	परीक्षा / डिग्री / डिप्लोमा	वर्ष	विद्यालय / बोर्ड / महाविद्यालय / विश्वविद्यालय	विषय	प्रतिशत
1.	दसवीं	2006	सीबीएसई	हिंदी, अंग्रेजी, सामाजिक विज्ञान, गणित	72%
2.	बारहवीं	2008	सीबीएसई	हिंदी, अंग्रेजी, इतिहास, अर्थशास्त्र	86%
3.	स्नातक	2011	दिल्ली विश्वविद्यालय	हिंदी	69%
4.	बी.एड	2012	दिल्ली विश्वविद्यालय	हिंदी	83%
5.	परास्नातक	2014	दिल्ली विश्वविद्यालय	हिंदी	79%

अन्य योग्यताएँ

- सूचना तकनीकी में 1 वर्ष का डिप्लोमा
- मैकेनिकल इंजीनियरिंग में 6 माह का डिप्लोमा
- हिंदी अंग्रेजी जर्मनी स्पेनिश भाषा की जानकारी
- योगा के क्षेत्र में 6 माह का प्रशिक्षण

उपलब्धियाँ

- विद्यालय स्तर पर एनसीसी में उच्च प्रशिक्षण
- भारत को जानो प्रतियोगिता में राज्य स्तर पर द्वितीय पुरस्कार
- गणतंत्र दिवस परेड में भाग लेने का पुरस्कार

कार्येत्तर गतिविधियाँ और अभी रुचियाँ

- योगाभ्यास, क्रिकेट, शास्त्रीय संगीत, गायन में विशेष रूचि
- सांस्कृतिक कार्यक्रम के आयोजन का अनुभव
- आधुनिक तकनीकों का प्रयोग सीखना तथा समाज के लिए उपयोगी बनाना

अथवा

आपके क्षेत्र में कोई भी टेलीविजन सहजता से दूरदर्शन के कार्यक्रम नहीं पकड़ पाता। बहुत संभव है यह केबल ऑपरेटरों की कारस्तानी हो। दूरदर्शन के महानिदेशक को एक ई-मेल लिखकर इस ओर उनका ध्यान आकृष्ट कीजिए।

उत्तर :

From	abhisheksuman@gmail.com
To	doordarshandr@gmail.com
Subject	टेलीविजन पर दूरदर्शन के कार्यक्रमों का धुंधला दिखना/न आना।

सेवा में,
महानिदेशक
दूरदर्शन निदेशालय
कॉपरनिक्स मार्ग,
नई दिल्ली-110001

महोदय,

हम जिला गुड़गाँव के एक गाँव में रहते हैं। कल हमारा पूरा गाँव विजय चौक पर निकली गणतंत्र दिवस की परेड दूरदर्शन पर नहीं देख सका। कारण यह है कि हमारे क्षेत्र में किसी का भी टेलीविजन सहजता से दूरदर्शन के कार्यक्रम नहीं पकड़ता। हमें संदेह है कि यह हमारे क्षेत्र के केबल ऑपरेटरों की कारस्तानी है। उन्होंने केबल का जो जाल बिछाया हुआ है, उसके चलते किसी भी दिशा में एंटेना क्यों न लगाया जाए, दूदर्शन के राष्ट्रीय लोकसभा या फिर भारती के कार्यक्रम टीवी स्क्रीन पर या तो आते ही नहीं, कभी-कभार आते भी हैं तो धुंधले दिखाई देते हैं। हमारा अनुरोध है कि इस संदर्भ में आप व्यक्तिगत रुचि लेकर इसकी जाँच करवाएँ। यदि कोई विभागीय तकनीकी समस्या हो तो उसे दूर करवाएँ और यदि यह बाहरी कारणों से हो रहा है तो उन शरारती तत्वों की खबर लें। हमें यकीन है कि बहुत जल्द ही हम अपने टेलीविजन पर 'बहुजन हिताय बहुजन सुखाय' प्रसारित किए जाने वाले दूरदर्शन के सभी कार्यक्रम बिना किसी व्यवधान के देख सकेंगे।

सहयोग की अपेक्षा से
आपके दर्शक
अभिषेक सुमन और नूरपुर गाँव के सभी निवासी
गाँव नूरपुर मेवात क्षेत्र
जिला- गुड़गाँव।

17. विद्यार्थियों की जरूरत के हर सामान के लिए उपलब्ध 'कामधेनू भंडार का विज्ञापन लगभग 60 शब्दों में तैयार कीजिए। (4)

उत्तर :

कामधेनू भंडार

अब एक छत के नीचे पूरी होगी
आपकी सभी जरूरतें।

सोचिए मत आइए

और हर प्रकार का सामान ले जाइए

पुस्तकों पर विशेष 25ः की छूट

- सभी प्रकार की पुस्तकें
- घरेलू सामान
- खान-पान के सामान की व्यवस्था
- सामान्य वस्त्र भंडार
- जूते-चप्पलें
- मनोरंजन स्थल

सम्पर्कः
ब्लॉक-अ , दुकान न. 105
क्राउन इंटीरियर, रोहतक

अथवा

आपकी सहेली की माता जी का देहांत हो गया है। लगभग 60 शब्दों में एक सांत्वना-संदेश लिखिए।

उत्तर :

संदेश

22 जुलाई, 20xx सायं 5:00 बजे

प्रिय सुगंधा!

माता जी की असमय मृत्यु पर हार्दिक संवेदना!

उनका अचानक चले जाना बहुत बड़ा आघात है। परंतु भगवान की इच्छा के आगे किसी का वश नही। तुम धैर्य रखना। मेरी भगवान से यही प्रार्थना है कि आंटी जी की आत्मा को शांति और तुम्हारे पूरे परिवार को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें। शोक की इस घड़ी में मैं हमेशा तुम्हारे साथ खड़ी हूँ। अगर तुम्हें मेरी किसी भी मदद की आवश्यकता हो, तो बिना संकोच के मुझे बताना।

संतोष